77 प्रतिशत लोग अपने बेशकीमती सामानों को घर के लॉकर में रखना पसंद करते हैं

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख सुरक्षा समाधान प्रदाता, गोदरेज सिक्यौरिटी सॉल्यू शंस ने भारत के परिवारों में घर और बेशकीमती सामानों की देखभाल के मामले में आज कुछ सर्वश्रेष्ठ लेकिन उतने बढ़िया भी नहीं आदतों का खुलासा किया. 85 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे 30-45 मिनट के लिए बाहर जाने के दौरान अपने घर का सामने और पीछे का दरवाजा लॉक करते हैं. इससे साबित होता है कि लखनऊ के प्रतिसादी अपने घर की सुरक्षा को लेकर अधिक सजग हैं और यह 66 प्रतिशत के राष्ट्रीबय औसत की तुलना में कहीं बेहतर है। बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सर्वेक्षण में शामिल एक तिहाई से अधिक लोगों का कहना है कि वे 30-45 मिनट के लिए घर से बाहर जाते समय अपना सिक्योररिटी अलार्म चालू करके निकलते हैं. दिलचस्पव बात है कि लखनऊ के आधे से ज्या दा प्रतिसादी घरों पर सीसीटीवी कैमरा से लैस हैं जोकि 43 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से दुगुने से कहीं ज्योदा है, इसके परिणामस्वदरूप, अधिकतर प्रतिसादियों यानी 77 प्रतिशत ने कहा कि वे घर पर लॉकर में अपने बेशकीमती सामानों को रखना पसंद करेंगे। सर्वेक्षण में घर की सुरक्षा की बात आने पर लखनऊवासियों के व्यनवहार को लेकर कुछ और दिलचस्पा जानकारियों के बारे में पता चला है। लखनऊ के प्रतिसादियों का कहना है कि वे अपने घर की चाबी के साथ अपने वॉचमैन पर भरोसा करते हैं।यह राष्ट्री य औसत की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है। लखनऊ में आधे से ज्यासदा प्रतिसादियों ने स्वीहकार किया कि वे अपने डॉक्यूनमेंट्स को इधर-उधर रख दते हैं और फिर उन्हें खोजने में समय बेकार करते हैं। यह 29 प्रतिशत के राष्ट्रीकय औसत की तुलना में लखनऊ के लिए अधिक था। यह आंकड़े भारत में घर एवं व्य क्तिगत सुरक्षा के लिए अत्यटधिक चिंताओं की पृष्ठभूमिके विरुद्ध प्रकाशित किये गए हैं। वैश्विक क्राउडसोर्स डेटाबेस पोर्टल नम्बियो के अनुसार, 43.47 प्रतिशत भारतीय होम-ब्रेक-इन्सक को लेकर चिंतित हैं और 42 प्रतिशत को डकैती पड़ने या चोरी होने की चिंता सताती है। भारत के सुरक्षा स्तर संबंधी सर्वेक्षण के निष्कर्षों के विषय में गोदरेज सिक्योहरिटी सॉल्यू शंस ऐंड सिस्टम्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं ग्लोबल हेड दृ मार्केटिंग, सेल्स ऐंड इनोवेशन, मेहरनोश पीठावाला ने कहा कि, हमारा हमेशा से मानना रहा है कि ऐनलॉग सुरक्षा उपायों को अपराधियों से एक कदम आगे रहने के लिए डिजिटल/आधुनिक टेक्नोलॉजी-आधारित सुरक्षा समाधानों का पूरक होना चाहिए।